

पीठासीन अधिकारी :- श्रीनिधि बी टी, आई.ए.एस., जिला कलक्टर धौलपुर

मुकदमा नम्बर :- 05/2022

(जी सी एम एस नम्बर 2022/11)

उनवानी प्रकरण :-

कालीचरन उम्र करीव 53 वर्ष पुत्र काशीराम जाति कोली निवासी कोली मौहल्ला
कस्वा मंनिया तहसील मंनिया जिला धौलपुर -----अपीलान्ट

बनाम्

1-श्रीमती मेमो पत्नी बबलू जाति खटीक निवासी नेहरूपार्क के पास मंनिया तहसील
मंनिया जिला धौलपुर

2-तहसीलदार मंनिया तहसील मंनिया जिला धौलपुर -----रेस्पोजेण्टस

अपील विरुद्ध संपरिवर्तन आदेश क्रमांक 187
दिनांक 28.09.2020 तहसीलदार मंनिया



उपस्थिति :-

अपीलान्ट की ओर से :- श्री किशनसिंह त्यागी एडवोकेट

रेस्पोजेण्ट संख्या-1 की ओर से :- श्री इन्द्रपालसिंह एडवोकेट

रेस्पोजेण्ट संख्या 3 की ओर से :- पैरोकार सरकार

निर्णय

दिनांक : 13.02.2025

अपीलान्ट ने यह अपील इन तथ्यों के आधार पर पेश की गई है कि मूल खसरा नम्बर 857 रकवा 01 वीधा 13 विस्वा वाके मंनिया जिला धौलपुर में अपीलान्ट 8/33 भाग का, मैमो 16/33 भाग का तथा रेस्पोजेण्ट संख्या 01 27/33 भाग एवं दिलीप 2/33 भाग का सहखातेदार काश्तकार एवं आधिपत्यधारी है। उपरोक्त आराजी का कोई बंटवारा विधिवत अपीलान्ट की जानकारी में कभी नहीं हुआ लेकिन रेस्पोजेण्ट संख्या-2 ने उपरोक्त आराजी के खाते राजस्व अभिलेख में पृथक-पृथक कर दिये हैं जबकि उपरोक्त आराजी के बावत दावा बंटवारा न्यायालय सहायक कलक्टर (मुख्यालय) धौलपुर में उनवानी कालीचरन बनाम मैमो विचाराधीन है। रेस्पोजेण्ट संख्या-2 ने अपीलान्ट की बिना जानकारी पीठ पीछे उपरोक्त आराजी के नक्शा में भी तरमीम गलत तरीके से करा दी है। रेस्पोजेण्ट संख्या-2 ने रेस्पोजेण्ट संख्या-1 से मिलकर आक्षेपित आदेश के माध्यम से कृषि भूमि को अकृषि प्रयोजनार्थ संपरिवर्तन कर दिया जिससे व्यथित होकर अपीलान्ट ने यह अपील निम्न आधारों पर प्रस्तुत की है कि आधीन न्यायालय रेस्पोजेण्ट संख्या-2 ने संपरिवर्तन आदेश पारित करने से पूर्व अपीलान्ट सहखातेदार को नोटिस नहीं देकर प्राकृतिक न्यायिक सिद्धांतों का उल्लंघन किया है। राजस्व नक्शा में अपीलान्ट के पीठ पीछे बंटवारा कहते हुए रेस्पोजेण्ट संख्या-2 ने

जिला कलक्टर
धौलपुर

जो तरमीम की है उसके मुताबिक रेस्पो0 संख्या-1 का खसरा नम्बर 2413/857 अर्थात् 857/1 का भौतिक स्वरूप दक्षिण दिशा में सकडा एवं उत्तर दिशा में चौडा दिखाया हुआ है। आक्षेपित आदेश पारित करने से पूर्व पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजी साक्ष्य का सही अवलोकन नहीं कर संपरिवर्तन आक्षेपित आदेश पारित किया है जो निरस्त किये जाने योग्य है। आक्षेपित आदेश के साथ संलग्न नक्शा पटवारी हल्का के नक्शे के विरुद्ध है आक्षेपित नक्शे में राजस्व अभिलेख के विरुद्ध उत्तर में सकडा तथा दक्षिण में चौडा कर दिया है। आक्षेपित संपरिवर्तन आदेश के साथ संलग्न नक्शे में दक्षिण दिशा में रास्ता दिखा रखा है तथा सरेन्डर की गई भूमि दिखाई गई है। जबकि वास्तविक रूप से उत्तर दिशा में रास्ता मौके पर है। आराजी खसरा नम्बर 857 में से ही एक अन्य पार्ट भूमि संपरिवर्तन हरीनिवास के नाम से रेस्पो0 संख्या-2 ने किया है जिसमें रास्ता उत्तर दिशा में दिखाया हुआ है जबकि दोनों की संपरिवर्तन आदेश एक ही समय में जारी किये गये हैं। आक्षेपित आदेश की प्रथम बार जानकारी अपीलान्त को दिनांक 31.12.2021 को रेस्पो0 एवं मैमो एवं उनके ऐजेन्ट होरीलाल लोधा द्वारा यह धमकी देने पर कि उसने वाला-वाला अपीलान्त को बिना सूचना दिये बंटवारा एवं नक्शा तरमीम अपीलान्त का हिस्सा कम करते हुए एवं भूमि रूपान्तरण पट्टा प्राप्त कर लिया है अब अपीलान्त को उसके हिस्से से भी बेदखल करेंगे। तब अपीलान्त ने आक्षेपित आदेश की नकल प्राप्त की तब असलियत का पता चला इससे पूर्व कोई जानकारी नहीं हुई थी। जानकारी से अपील अपीलान्त अवधिमध्य प्रस्तुत है। प्रथक से प्रार्थना पत्र धारा 5 मियाद अधिनियम प्रस्तुत है। उपरोक्त आराजी में अपीलान्त सहखातेदार है तथा अपीलान्त की तरमीम रकवा कम करते हुए आक्षेपित आदेश प्राप्त किया है। इसलिये अपीलान्त का सीधा हित प्रभावित हो रहा है इसलिये अपीलार्थी को अपील प्रस्तुत करने की अनुमति दिये जाने हेतु प्रथक से प्रार्थना पत्र धारा 96 सी.पी.सी. प्रस्तुत है। अतः अपील अपीलान्त स्वीकार की जाकर आक्षेपित आदेश निरस्त किये जाने की प्रार्थना की है।

अपीलान्त ने अपील के समर्थन में दस्तावेजी साक्ष्य के रूप में नकल प्रमाणित प्रति भूमि रूपान्तरण पट्टा आदेश क्रमांक 187 दिनांक 28.09.2020, फोटोप्रति नक्शा ट्रेस ख0न0 857 ग्राम मनिया, फोटो प्रति जमाबन्दी ख0न0 2416/857 ग्राम मनिया, फोटोप्रति वादपत्र दावा कालीचरन बनाम मैमो न्याया0 एसीएम धौलपुर पेश किये हैं।

अपील अपीलान्त दर्ज रजिस्टर की जाकर रेस्पोडेण्ट को तलब किया गया। रेस्पोडेण्ट संख्या-1 की ओर से श्री इन्द्रपालसिंह जादौन एडवोकेट एवं रेस्पो संख्या-2 पैरोकार सरकार उपस्थित हुये। अधीनस्थ न्यायालय का अपीलाधीन रिकार्ड तलब किया गया। पत्रावली बहस हेतु नियत की गई।

सर्वप्रथम प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 96 सी.पी.सी. एवं मियाद के बिन्दु पर दोनों पक्षों को सुना गया। अपीलान्त आक्षेपित आदेश से व्यथित पक्षकार है तथा पीडित एवं एग्रीड पर्सन है। न्यायहित में आक्षेपित आदेश के विरुद्ध अपील प्रस्तुत करने की अनुमति हेतु अपीलान्त का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 96 सी.पी.सी. स्वीकार किया जाता है। अपीलान्त द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र धारा 5 मियाद अधिनियम स्वीकार किया जाकर अपील प्रस्तुत करने में हुई देरी को कन्डोन किया जाता है। हम अपील अपीलान्त गुणवगुण के आधार पर अपील का निर्णय किया जाना उचित समझते हैं।

जिला कलक्टर
 धौलपुर

अभिभाषक रेस्पोडेन्ट संख्या-1 ने अपने कथनों के समर्थन में फोटोप्रति एफ.आई.आर. न0462/17, फोटोप्रति ऑर्डरशीट दिनांक 11.5.2017, राजीनामा आवेदन पत्र कालीचरन बनाम हरिनिवास, फोटोप्रति वादपत्र कालीचरन बनाम हरिनिवास, फोटोप्रति आदेश दिनांक 18.4.2022 कालीचरन बनाम मैमो, फोटोप्रति वादपत्र कालीचरन बनाम मैमो, फोटोप्रति प्रार्थना पत्र आदेश 7 नियम 14 दिनांक 7.12.2020, फोटोप्रति प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 11 सीपीसी, फोटोप्रति कुर्रैजात, नक्शा अक्शा पेश किये है।

बहस विद्वान अभिभाषक उभयपक्ष सुनी गई। अपीलान्ट के विद्वान अभिभाषक ने अपनी बहस में अपील में अंकित कथनों को दोहराते हुये कथन किया कि अपीलान्ट उपरोक्त आराजी में सहखातेदार काशतकार एवं आधिपत्यधारी है। उपरोक्त आराजी का कोई बंटवारा विधिवत अपीलान्ट की जानकारी में कभी नहीं हुआ लेकिन रेस्पो0संख्या-2 ने उपरोक्त आराजी के खाते राजस्व अभिलेख में पृथक-पृथक कर दिये है जबकि उपरोक्त आराजी के बावत दावा बंटवारा न्यायालय सहायक कलक्टर (मुख्यालय) धौलपुर में उनवानी कालीचरन बनाम मैमो विचाराधीन है। अपीलान्ट की बिना जानकारी के उपरोक्त आराजी के नक्शा में भी तरमीम गलत तरीके से करा दी है। तहसीलदार ने आक्षेपित आदेश के माध्यम से कृषि भूमि को अकृषि प्रयोजनार्थ संपरिवर्तन आदेश पारित किया है। जो तरमीम की है वह गलत है। आक्षेपित आदेश के साथ संलग्न नक्शा पटवारी हल्का के नक्शे के विरुद्ध है आक्षेपित नक्शे में राजस्व अभिलेख के विरुद्ध उत्तर में सकडा तथा दक्षिण में चौडा कर दिया है। आक्षेपित संपरिवर्तन आदेश के साथ संलग्न नक्शे में दक्षिण दिशा में रास्ता दिखा रखा है तथा सरेन्डर की गई भूमि दिखाई गई है। जबकि वास्तविक रूप से उत्तर दिशा में रास्ता मौके पर है। आराजी खसरा नम्बर 857 में से ही एक अन्य पार्ट भूमि संपरिवर्तन हरीनिवास के नाम से रेस्पो0संख्या-2 ने किया है जिसमें रास्ता उत्तर दिशा में दिखाया हुआ है जबकि दोनो की संपरिवर्तन एक ही समय में जारी किये गये है। आक्षेपित आदेश विधि विरुद्ध एवं पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य के विपरीत एवं प्राकृतिक न्यायिक सिद्धांतो के विपरीत होने के कारण निरस्त किये जाने योग्य है। अतः अपील अपीलान्ट स्वीकार की जाकर आक्षेपित संपरिवर्तन आदेश निरस्त फरमाया जावे।

रेस्पो0 संख्या-1 ने अपनी बहस में कथन किया कि अपीलान्ट द्वारा एक वाद न्यायालय सहायक कलक्टर (मुख्यालय) धौलपुर के यहाँ प्रकरण संख्या 22/2016 उनवानी कालीचरन बनाम हरिनिवास प्रस्तुत किया जो राजस्व कैम्प लोक अदालत कैम्प मनिया में राजीनामा के आधार पर फैसल हुआ। राजीनामा के आधार पर फैसल कर विवादित आराजी के नम्बर अलग अलग कायम हुए। नक्शे कुर्रैजात पर अपीलान्ट कालीचरन के हस्ताक्षर है। अपीलान्ट द्वारा बटवारा कराने के उपरान्त उसने मनगढन्त तथ्यों के आधार पर एक वाद पुनः विवादित आराजी का कालीचरन बनाम मैमो के नाम से दायर किया गया जो दिनांक 18.04.2022 को समान पक्षकार, समान आराजी व समान अनुतोष होने के कारण एवं पूर्ववर्ती दावे में राजीनामा व सहमति के आधार अपीलान्ट ने अपना दावा विद्धो किया। अपीलान्ट का दावा खारिज फरमा दिया गया। उपरोक्त विवादित आराजी में अपीलान्ट सहखातेदार काशकार नहीं है। बहस के दौरान यह भी कथन किया कि संपरिवर्तन आदेश के साथ संलग्न नक्शा में उत्तर दक्षिण दिशा का सहवन से गलत अंकन हो गया है जिसे शुद्ध कराने के लिये तहसीलदार मनिया के समक्ष प्रथक से कार्यवाही की जा रही है। अपीलान्ट एवं रेस्पोडेन्ट का राजस्व रिकार्ड में जितना हिस्सा है उतने ही हिस्से पर काबिज है। अपीलान्ट ने अपने हिस्से में मकान बना लिया है। संपरिवर्तन आदेश जारी किया गया है वह पूर्ण रूप से सही है। अतः अपीलान्ट की अपील खारिज फरमाई जावे।


 जिला कलक्टर
 धौलपुर

(4)

न्याय जिला कलक्टर धौलपुर
वमुक्त: कालीचरन बनाम मेमो वगैरा
अपील संख्या 05/2022

हमने विद्वान अभिभाषक उभयपक्ष की प्रस्तुत वहस पर मनन किया तथा पत्रावली पर उपलब्ध रिकार्ड का अधोपान्त अवलोकन किया। अपीलान्त का मुख्य रूप से यह कथन है कि विवादित आराजी का कोई बंटवारा विधिवत अपीलान्त की जानकारी में कभी नहीं हुआ लेकिन रेस्पोंडेंस संख्या-2 तहसीलदार ने विवादित आराजी के खाते राजस्व अभिलेख में पृथक-पृथक कर दिये हैं जबकि उपरोक्त आराजी के बावत दावा बंटवारा न्यायालय सहायक कलक्टर (मुख्यालय) धौलपुर में उनवानी कालीचरन बनाम मेमो विचाराधीन है। इस सम्बन्ध में पत्रावली पर उपलब्ध नकल कुर्रैजात प्रस्ताव के अवलोकन से यह जाहिर होता है कि अपीलान्त द्वारा एक वाद न्यायालय सहायक कलक्टर (मुख्यालय) धौलपुर के यहाँ प्रकरण संख्या 22/2016 उनवानी कालीचरन बनाम हरिनिवास प्रस्तुत किया जो राजस्व लोक अदालत न्याय आपके द्वार शिविर मंनिया में राजीनामा के आधार पर विवादित आराजी खसरा नम्बर 857 रकवा 01 वीधा 13 विस्वा का बटवारा वाई मीटस एण्ड बाउन्ड मौके पर काबिज अनुसार बटवारा किया जाकर फ़ैसल हुआ हुआ है। प्रकरण में जो विभाजन प्रस्ताव प्रस्तुत किये गये हैं उस पर अपीलान्त कालीचरन एवं अन्य पक्षकारों के हस्ताक्षर हो रहे हैं। पत्रावली पर उपलब्ध नकल जमाबन्दी सम्बत 2073-76 ग्राम मंनिया का अवलोकन किया गया जिसमें लाल स्याही से नामान्तकरण संख्या 3509 दिनांक 15.07.2017 सहमति से विभाजन का अंकन हो रहा है जिससे यह स्पष्ट होता है कि विभाजन के बाद विवादित आराजी के नम्बर अलग अलग पक्षकारों के नाम कायम हुए हैं तथा विभाजन अनुसार नक्शे में तरमीम हुई है। इस प्रकार अपीलान्त का यह कहना गलत है कि विवादित आराजी का कोई बंटवारा विधिवत अपीलान्त की जानकारी के बिना हुआ है। पक्षकारों के मध्य हिस्से अनुसार विवादित आराजी का बटवारा एवं नम्बर अलग अलग होने के बाद तहसीलदार धौलपुर ने जो भूमि संपरिवर्तन आदेश पारित किया है वह विधिवत जारी किया गया है जिसमें हम किसी प्रकार की कोई त्रुटि नहीं पाते हैं। रेस्पोंडेंट का बहस में यह कथन है कि भूमि संपरिवर्तन आदेश के साथ संलग्न नक्शा में उत्तर दक्षिण दिशा का सहवन से गलत अंकन हो गया है जिसे शुद्ध कराने के लिये तहसीलदार मंनिया के समक्ष प्रथक से कार्यवाही की जा रही है। अपीलान्त एवं रेस्पोंडेंट का राजस्व रिकार्ड में जितना हिस्सा है उतने ही हिस्से पर काबिज है। अपीलान्त ने अपने हिस्से में मकान बना लिया है। अतः उपरोक्त विवेचन के आधार पर अपीलान्त की अपील खारिज किये जाने योग्य पाई जाती है।

अतः आदेश है कि अपील, अपीलान्त खारिज की जाती है। पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर नम्बर से कम की जाकर बाद तकमील दाखिल दफतर हो।

निर्णय आज दिनांक 13.02.2025 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।



(श्रीनिधि बी टी)
जिला कलक्टर